दैनिक भास्कर
उदयपुर 27-05-2025

शायराना मंच पर गूंजा देशभक्ति का स्वर, इराक में भारत के राजदूत धीरज जोशी लाइव जुड़े

शायराना उदयपुर का मासिक कार्यक्रम ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय सेना को समर्पित रहा, देशभक्ति गीतों से गुलजार हुई शाम

सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

शहर में बीते 15 वर्षों से साहित्य, संगीत, कविता और शायरी के शौकीनों के लिए मंच बना शायराना उदयपुर का मासिक कार्यक्रम गत रविवार को ऐश्वर्या कॉलेज में हुआ। इस बार थीम रही देशभक्ति, जो हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय सेना की वीरता को समर्पित थी। देश के सैनिकों और देश प्रेम से ओतप्रोत गीत और जीवन से जुड़ी शेरो-शायरी सुनाई गई।

कार्यक्रम की शुरुआत आभा सिरसीकर ने सरस्वती वंदना से की। इसके बाद केलवा के सेक्सोफोन वादक छोटू लाल ने "यह देश है वीर जवानों का" और "है दुनिया उसी की" जैसी धुनें बजाईं। कोटा और राजसमंद से आए कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।

शायराना उदयपुर के संस्थापक मनोज गीतांकर ने बताया कि संस्था पिछले 15 वर्षों से वाद्य यंत्र, लोक कलाकारों, संगीतकारों और कवियों को मंच दे रही है। कार्यक्रम में इराक में भारत के राजदूत धीरज जोशी लाइव जुड़े। मुख्य अतिथि डॉ. अजय मुर्डिया फौजी वेशभूषा में पहुंचे। उन्होंने देशभक्ति गीत गाकर माहौल को जोश से भर दिया। ऐश्वर्या कॉलेज की प्रबंध निदेशक डॉ. सीमा सिंह ने भी गायन से सभी को भावविभोर कर दिया। विशिष्ट अतिथि हरीश राजानी ने भारतीय सेना के शौर्य की सराहना की। राष्ट्रीय कवि सिद्धार्थ देवल ने वीर रस की कविताएं सुनाकर जोश भर दिया। कवि प्रकाश नागौरी की उपस्थिति ने समारोह को काव्यांगन बना दिया। आईटी एक्सपर्ट विनोद रंगवानी ने "उद्गार है साहब" कविता सुनाई। संगीतज्ञ रामकृष्ण बॉस ने वाद्य यंत्रों से वीर रस के सुरों को जीवंत किया। उस्ताद फैयाज खान ने देशभक्ति गीत के साथ शागिर्द राकेश माथुर के साथ जुगलबंदी की। इस दौरान एडिशनल एसपी हितेश मेहता भी जुगलबंदी में शामिल हो गए। योगेश उपाध्याय, डॉ. सीमा वेद, प्रीति माथुर और हेमंत सूर्यवंशी ने अपने गीतों के माध्यम से खूब तालियां बटोरीं। नरेंद्र उत्पल चौहान और मनोज गीतांकर ने भी समां बांधा। चिकित्सा विभाग की लक्ष्मी आसानी और नर्सिंग ऑफिसर पवन पारीक, विनु वैष्णव, चंद्र प्रकाश गंधर्व, मनीष जोशी, नारायण सालवी, मंजूर हुसैन, देवेंद्र साहू, महमूद खान, ओमान शेख, अंबालाल साहू, विकास गोड, निश्चित चपलोत, हितेश शर्मा, मनीष सेवक, असद खान, गुलजार और विष्णु वैष्णव ने भी प्रस्तुतियां दीं।

मनोज व सीमा का सम्मान

कार्यक्रम में भारत की आजादी के इतिहास और गुमनाम शहीदों की गाथा को 21000 फीट कपड़े पर लिखने वाले मनोज आंचलिया और डॉ. सीमा वेद का सम्मान किया गया। कार्यक्रम प्रभारी मोहन सोनी ने 'ए मेरे प्यारे वतन' गाकर लोगों की आंखें नम कर दीं। कार्यक्रम का संचालन आभा सिरसीकर और मनोज आंचलिया ने किया। समारोह की अध्यक्षता शिक्षाविद् सीमा सिंह ने की। अतिथि के रूप में एडिशनल एसपी हितेश मेहता, आरएएस अधिकारी कविता पाठक, वृक्षम अमृतम् संस्थान के अध्यक्ष गोपेश शर्मा और पूर्व राज्य मंत्री हरीश राजानी उपस्थित रहे। गोपेश शर्मा ने सभी अतिथियों का उपरना से स्वागत किया।

महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने किया विमोचन